Roll No.	**:**	
Unique Paper Code	**:**	**121302312**
Title of the Paper	**:**	**काव्यप्रकाश (Kavyaprakasa)**
Name of the Course	**:**	**M.A. Sanskrit, LOCF, January-2024**
Group:	**:**	**C**
Semester	**:**	**III**
Duration	**:**	**3 Hours**
Maximum Marks	**:**	**70**

Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper
(इस प्रश्नप्रत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाँक लिखिए।)

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.
टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1 निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : 4x7 = 28
Explain the following:

(i) इदमुत्तममतिशयिनि व्यङ्ग्ये वाच्याद् ध्वनिर्बुधैः कथितः।

अथवा/OR

सर्वेषां प्रायशोऽर्थानां व्यञ्जकत्वमपीष्यते।

(ii) स्वसिद्धये पराक्षेपः परार्थं स्वसमर्पणम्।
उपादानं लक्षणं चेत्युक्ता शुद्धैव सा द्विधा॥

अथवा/OR

अविवक्षितवाच्यो यस्तत्र वाच्यं भवेद् ध्वनौ।
अर्थान्तरे संक्रमितमत्यन्तं वा तिरस्कृतम्॥

(iii) व्यक्तः स तैर्विभावाद्यैः स्थायी भावो रसः स्मृतः।

अथवा/OR

शान्तोऽपि नवमो रसः।

(iv) रसादिलक्षणस्त्वर्थः स्वप्नेऽपि न वाच्यः।

अथवा/OR

यत्रापदार्थोऽपि विशेषरूपो वाक्यार्थस्तत्राभिहितान्वयवादे का वार्ता व्यङ्ग्यस्याभिधेयतायाम्।

2 निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए, जिनमें से एक **संस्कृत** में हो : 5+5+5+7 = 22

Write short notes on the following, one of which should be in **Sanskrit**:

(i) अवरकाव्य **अथवा/OR** अपोहवाद

(ii) शुद्धा लक्षणा **अथवा/OR** नाभिधा समयाभावात्

(iii) असंलक्ष्यक्रमरसादिध्वनि **अथवा/OR** स्थायिभाव

(iv) वैयाकरणों का अखण्डार्थवाद **अथवा/OR** चित्रकाव्य

3. मम्मट के अनुसार काव्यप्रयोजनों का प्रतिपादन कीजिए। 10

Discuss the aims of poetry according to Mammata.

अथवा/OR

लक्षणामूला व्यञ्जना का विवेचन कीजिए।

Analyze the concept of लक्षणामूला व्यञ्जना.

4. भरत के रससूत्र की व्याख्या में अभिनवगुप्त के योगदान को स्पष्ट कीजिए। 10

Evaluate the contribution of Abhinavagupta in explanation of Bharata's Rasasūtra.

अथवा/OR

गुणीभूतव्यङ्ग्य के आठ भेदों का उदाहरणसहित विवेचन कीजिए।

Discuss the eight types of गुणीभूतव्यङ्ग्य with examples.